धूमा भूमि विवाद में खनिज विभाग की जांच तेज

मौके पर पहुंची विभागीय जांच टीम

सिवनी/धूमा नवभारत। धूमा क्षेत्र में निजी भूमि पर कथित अवैध उत्खनन, अतिक्रमण और कब्जे के आरोपों को लेकर नवभारत समाचार पत्र ने प्रमुखता से ध्यान आकर्षित करते हुए संबंध विभाग संबंधित विभाग सहित जनप्रतिनिधियों को कराया था प्रकाशित समाचार के बाद प्रशासनिक स्तर पर हलचल तेज हो गई है। मामले को गंभीरता से लेते हुए खनिज विभाग की टीम मनोज वेदिया सहित अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है।

धूमा में निजी भूमि पर अवैध उत्खनन व कब्जे के आरोप

विभाग द्वारा संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर उनके बयान दर्ज करने की प्रक्रिया भी प्रारंभ कर दी गई है। गौरतलब है कि यादव एवं चौकसे परिवार ने होटल व्यवसायी संतोष शिवहरे पर निजी भूमि पर अवैध उत्खनन, भूमि को नुकसान पहुंचाने तथा कब्जा करने के आरोप लगाए थे। शिकायतकर्ताओं का कहना था कि वे वर्षों से राजस्व, खनिज एवं अन्य विभागों में शिकायत कर रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। साथ ही होटल से निकलने वाले गंदे पानी से कृषि भूमि प्रभावित होने की आशंका भी जताई गई थी। समाचार प्रकाशित होने के बाद खनिज विभाग हरकत में आया और अधिकारियों ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। अब विभाग संबंधित दस्तावेजों एवं पक्षकारों के बयानों के आधार पर पूरे मामले की जांच कर रहा है। जिला खनिज अधिकारी ने आर.पी. कमलेश ने बताया कि मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी गई है। संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किए गए हैं और उनके बयान लिए जाएंगे। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

इसे लेकर पूरे क्षेत्र में इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है और इसके अलावा अब क्षेत्रवासियों की निगाहें खनिज विभाग की अंतिम जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं। यदि जांच में अवैध उत्खनन की पुष्टि होती है तो संबंधित प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा सकती है। वहीं शिकायतकर्ता परिवारों को उम्मीद है कि वर्षों से लंबित इस विवाद में अब निष्पक्ष जांच के बाद उन्हें न्याय मिलेगा।

इनका कहना है

मौके पर टीम ने पहुंच कर जांच शुरू कर दी है नोटिस के आधार पर बयान लिए जाएंगे इसके बाद नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी

आरपी कमलेश
जिला खनिज अधिकारी

होटल संचालक ने कहा कि खनिज विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर पूछताछ के बाद नोटिस के आधार पर बयान लिए जाएंगे

संतोष शिवहरे होटल संचालक

एक घंटे तक नाले के किनारे फंसे रहे मासूम छात्र

केवलारी नवभारत। विकासखंड के सरेखा लालोपर मार्ग की वर्षों पुरानी समस्या एक बार फिर सामने आई है। बरसात के कारण नाले में उफान आने से स्कूल से लौट रहे मासूम छात्र छात्राएं घंटों रास्ते में फंसे रहे। सवाल यह है कि आखिर इन बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है, देखिए यह विशेष रिपोर्ट।

केवलारी क्षेत्र के ग्राम सरेखा और लालोपर को सिवनी मंडला मुख्य मार्ग से जोड़ने वाले नाले पर पुल या पुलिया नहीं होने का खामियाजा एक बार फिर ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ा। स्कूल की छुट्टी के बाद शाम करीब 5 बजकर 10 मिनट पर छात्र छात्राएं सरेखा मार्ग पर पहुंचे, लेकिन तब तक नाले का पानी तेजी से बढ़ चुका था। शाम 6 बजे तक भी जलस्तर कम नहीं हुआ। लगभग एक घंटे तक बच्चे नाले के दोनों ओर अपने परिजनों से अलग खड़े रहे। एक ओर मासूम बच्चे थे तो दूसरी ओर उनके माता-पिता, लेकिन बीच में उफनता नाला उनकी बेबसी का कारण बना रहा। ग्रामीणों का कहना है कि यह कोई नई समस्या नहीं है। हर वर्ष बरसात में यही हालात बनते हैं। लगभग 100 से 150 विद्यार्थी कई दिनों तक स्कूल और कॉलेज नहीं पहुंच पाते, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है।

कुछ दिन पहले ही केवलारी में आयोजित जनसुनवाई में सरेखा और लालोपर के ग्रामीणों, महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों ने जिला कलेक्टर के समक्ष इस समस्या को प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने नाले पर स्थायी पुल या पुलिया निर्माण की मांग करते हुए ज्ञापन भी सौंपा था, ताकि बरसात के दिनों में बच्चों की पढ़ाई और ग्रामीणों का आवागमन बाधित न हो। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि नाले पर जल्द से जल्द स्थायी पुल या पुलिया का निर्माण कराया जाए और जब तक निर्माण नहीं होता, तब तक बरसात के दौरान सुरक्षा और वैकल्पिक आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

एक नजर में

कांग्रेस ने किया शहीदों को याद

सिवनी। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बालगंगाधर तिलक एवं महान क्रांतिकारी शहीद चन्द्रशेखर आजाद जी का जन्म दिवस जिला कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन सिवनी में मनाया गया, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी, जिला कांग्रेस प्रवक्ता जेपीएस तिवारी द्वारा देश के महान सपूतो के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात उपस्थित सभी कांग्रेस जनों ने पुष्पअर्पित कर श्रद्धांजली दी। जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी ने देश के अमर शहीदों के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बालगंगाधर तिलक जी ने देश को आजाद कराने के लिए स्वतंत्रता संग्राम की अलख जगाई। अंग्रेजों के खिलाफ भारतीय नागरिको को एक जूट करने का काम किया था। उन्होंने स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है जिसे मैं लेकर रहूँगा का नारा दिया।

1 जून से अब तक जिले में 453 .4 मिमी औसत वर्षा दर्ज

सिवनी। जिले में मानसून की गतिविधियां लगातार जारी हैं। भू-संसाधन प्रबंधन कार्यालय द्वारा जारी दैनिक वर्षा प्रतिवेदन के अनुसार 01 जून से 23 जुलाई 2026 तक जिले में 453 .4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। वहीं 23 जुलाई को जिले में 43 .8 मिमी औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई। दैनिक प्रतिवेदन के अनुसार 23 जुलाई को बरघाट तहसील में 11 .4 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त कुरई में 17 .3 मिमी, छपारा में 22 .0 मिमी, सिवनी में 121 .8 मिमी तथा घंसौर में 25 .0 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। वहीं केवलारी में 44 .4 मिमी, लखनादौन में 10 .2 मिमी और धनौरा में 98 .0 मिमी वर्षा दर्ज की गई। 01 जून से 23 जुलाई तक हुई संचयी वर्षा के अनुसार बरघाट में 581 .4 मिमी, केवलारी में 499 .8 मिमी, सिवनी में 594 .4 मिमी, लखनादौन में 453 .6 मिमी, कुरई में 415 .3 मिमी, छपारा में 391 .9 मिमी, धनौरा में 403 .5 मिमी तथा घंसौर में 287 .2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में अब तक कुल 3627 .1 मिमी वर्षा तथा 453 .4 मिमी औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। पिछले वर्ष 23 जुलाई 2025 तक जिले में 634 .6 मिमी औसत वर्षा दर्ज हुई थी।

उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसमूह, जय जगन्नाथ गुंजायमान हुआ

भगवान जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा की निकली शोभायात्रा

छपारा नवभारत। नगर में 23 जुलाई दिन गुरुवार को नगर के बाजार स्थित श्री राम मंदिर से श्री जगन्नाथ रथयात्रा निकाली गई जो दोपहर दो बजे से प्रारंभ होकर नगर के बैंनगंगा नदी नदी पुल घाट स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर गोल्डन टेम्पल पर 5 बजे पहुंची लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर निकाली गई रथयात्रा में रथ को बड़ी ही भक्ति भाव से हजारों की संख्या में नगर सहित क्षेत्रीय ग्रामों के श्रृद्धालुओं ने रथ पर बंधी रस्सी को खिंचकर नगर के मुख्य मार्गों से बस स्टैंड परिसर और पुलिस थाना के सामने से नगर के बैंनगंगा नदी पुल घाट स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर गोल्डन टेम्पल तक

ले कर गए उक्त रथयात्रा में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नगर के प्रबुद्ध नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और रथयात्रा में शामिल हुए रथयात्रा का नगर में जगह - जगह स्वागत अभिनन्दन किया गया एवं शोभायात्रा में शामिल जनों का फल, मीठा एवं चाय वितरण किया गया वहीं रथयात्रा के समापन पर लक्ष्मी नारायण मंदिर गोल्डन टेम्पल पर श्री जगन्नाथ जी को भोग चढ़ाएं जाने के बाद महाआरती कर भंडारा प्रसादी बांटी गई।

चलते ट्रक में लगी भीषण आग, अनार से भरा वाहन जलकर खाक

सिवनी नवभारत। जिले के धूमा थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित बंजारी घाटी के पास बुधवार देर रात अनार से लदे एक ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे ट्रक को अपनी चपेट में ले लिया। चालक और परिचालक ने समय रहते ट्रक से कूदकर अपनी जान बचा ली, जबकि ट्रक और उसमें लदा अनार पूरी तरह जलकर राख हो गया।

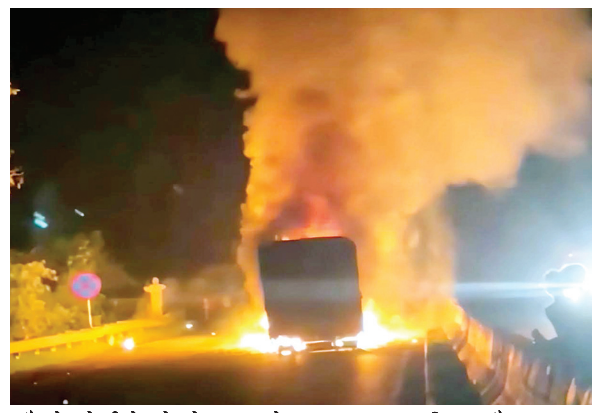

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनार से लदा ट्रक महाराष्ट्र के नाशिक से उत्तर प्रदेश के वाराणसी (बनारस) जा रहा था। बंजारी घाटी से गुजरते समय अचानक ट्रक से धुआं निकलने लगा। चालक कुछ समझ पाता, उससे पहले ही आग तेजी से फैल गई और देखते ही देखते पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक दिखाई देता रहा, जिससे कुछ समय के लिए क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही धूमा थाना पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। हालांकि दमकल वाहन के पहुंचने तक ट्रक का अधिकांश हिस्सा आग की भेंट चढ़ चुका था। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक ट्रक और उसमें भरा लाखों रुपये मूल्य का अनार पूरी तरह जल चुका था।

प्राथमिक जांच में आग लगने का संभावित कारण शॉर्ट सर्किट अथवा इंजन में तकनीकी खराबी माना जा रहा है। हालांकि आग लगने के वास्तविक कारणों का पता विस्तृत जांच के बाद ही चल सकेगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हादसे के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एक लेन से वाहनों की आवाजाही सुचारु कराई, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका। राहत की बात यह रही कि इस घटना की चपेट में कोई अन्य वाहन नहीं आया ।

आग बुझाने वाली फायर बिग्रेड से नाली सफाई का कारनामा

केवलारी नवभारत। नगर परिषद आज उस समय फिर चर्चा और विवादों में आ गयी जब नगर परिषद ने अपना फायर ब्रिगेड आग बुझाने वाले अग्निशमन वाहन को वर्षो से बंद पड़ी नाली की सफाई में पानी की बौछारों से नाली सफाई का कारनामा करने के लिये जे सी बी मशीन की जगह कार्य मे लगाया गया ।ऐसा कारनामा करने वाली केवलारी नगर परिषद पूरे देश मे इकलौती नगर परिषद बन गई ।जहाँ फायर बिग्रेड का उपयोग आग बुझाने की जगह बंद पड़ी नाली के लिये किया जाने लगा ।यह कारनामा करने में नगर परिषद के विवादास्प लोकनिर्माण शाखा के सायक मयंक बघेल जो कि केवलारी निवासी हैं, इनके द्वारा किया जाने वाला दुर्व्यवहार, फोन नही उठाने की कार्यशैली, और अपने आप को सी एम ओ से ऊपर समझना जिनका शगल है। इनके साथ ही नगर परिषद के फायर ब्रिगेड से सफाई करवाने वाले पूर्व से विवादस्पद कर्मचारी चक्रेश यादव की भूमिका प्रमुख रही ।नगर परिषद के द्वारा आम जनता से दोगला व्यवहार करने की जनचर्चा आम नागरिकों में व्याप्त है, एक और साधारण दुकानदारों की दुकान के सामने जेसीबी मशीन चलाकर नाली सफाई करायी गई,

आधे दुकानदारों के सामने नाली की सफाई जे सी बी चलाते हुए की गई

वहीँ दूसरी ओर रसूखदार दुकानदारों के द्वारा नाली पर अतिक्रमण वाले,जिन्होंने जेसीबी मशीन नही चलाने देकर नगर परिषद के कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार, दबंगई दिखलाई ।ऐसे में आमजनता ने कलेक्टर नेहा मीणा एवं नगर परिषद के सी एम ओ से न्याय संगत कार्य करने एवं नाली पर अतिक्रमण करने वाले रसूखदार लोगों के अतिक्रमण हटाने की माँग की गई हैं।

जयंत डेहरिया की नियमित जमानत सत्र न्यायालय से खारिज

लखनादौन नवभारत। लूट एवं जबरन वसूली के चर्चित प्रकरण में न्यायिक अभिरक्षा में जेल में बंद आरोपी जयंत डेहरिया की नियमित जमानत याचिका द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश श्री ललित झा की अदालत ने खारिज कर दी। दोनों पक्षों की विस्तृत बहस के बाद अदालत ने आरोपी को नियमित जमानत देने से इन्कार कर दिया। वहीं फरियादी प्रदीप दुबे की ओर से अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष एवं सीनियर एडवोकेट फ़ज़ील अहमद फिरदौसी, सीनियर अधिवक्ता ए.के. त्रिपाठी, अधिवक्ता मुनेन्द्र नाथ मिश्रा, कुमारी रोशनी पटेल ने जमानत आवेदन का पुरजोर विरोध किया।

उन्होंने न्यायालय को बताया कि आरोपी लगभग 10 माह तक फरार रहा, उस पर ?10 हजार का इनाम घोषित था और वह प्रकरण का मुख्य आरोपी है। उन्होंने यह भी कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर माननीय उच्च न्यायालय, जबलपुर में याचिका लंबित है, जिसमें पुलिस को कई आदेश दिए जा चुके हैं तथा 29 जुलाई को अगली सुनवाई निर्धारित है। फरियादी पक्ष का तर्क था कि आरोपी ने न्यायिक कार्यवाही के दबाव में आत्मसमर्पण किया। वरिष्ठ अधिवक्ता फ़ज़ील अहमद फिरदौसी ने न्यायालय को यह भी बताया कि घटना का वीडियो साक्ष्य उपलब्ध है, जिसे अदालत में प्रस्तुत किया गया, लेकिन तकनीकी कारणों से उसका प्रदर्शन नहीं हो सका। उन्होंने माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के विभिन्न न्यायिक दृष्टांतों का हवाला देते हुए कहा कि आरोपी की भूमिका, मामले की गंभीरता और उपलब्ध साक्ष्यों को देखते हुए उसे जमानत नहीं दी जानी चाहिए। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश श्री ललित झा ने आरोपी जयंत डेहरिया की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी। आदेश के बाद आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में जेल में ही रहेगा। गौरतलब है कि 15 जुलाई को जयंत डेहरिया ने न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद पुलिस ने उसे एक दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ की। 16 जुलाई को न्यायालय में पेश किया गया था जहाँ से जेल भेज दिया गया था। बाद में स्वास्थ्य संबंधी शिकायत पर उसे अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकीय परीक्षण के बाद स्थिति सामान्य पाए जाने पर 17 जुलाई को उसे पुन: जेल भेज दिया गया। वर्तमान में आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में जेल में है।

स्कूल के बच्चो ने पौधे लगाकर दिया संदेश

बरघाट नवभारत। शासकीय प्राथमिक कन्या शाला साल्हे खुर्द संकुल केंद्र अरी में प्राथमिक कक्षा की छात्राओ ने अपने शिक्षको से विद्यालय में एक लघु उद्यान बनाने की अभिलाषा व्यक्त की जिस पर संस्था के शिक्षक संजय तिवारी वा भुमेंश्वर बिसेन द्वारा ग्राम सरपंच से चर्चा की जिस पर ग्राम सरपंच श्रीमती सत्यवंती उइके ने सहमति देकर इस प्रकार ग्राम विकास की योजना के लिए शाला परिवार की सराहना की । सरपंच पति श्री झामसिंह उईके ने कहा की ग्राम के बच्चो की भावना का सम्मान किया जावेगा। भविष्य में इस विद्यालय के लघु उद्यान को पंचायत के सहयोग से व्यवस्थित वा सुसाजित बनाया जावेगा। संस्था की संस्कार शिक्षिका श्रीमती अर्चना तुरकर ने बच्चो को पेड़ पौधों के महत्व से परिचित कराते हुए उद्यान के लिए प्रेरित किया । उक्त कार्यक्रम में जन प्रतिनिधि , ग्रामवासी, आंगनवाड़ी, शाला प्रबंधन समिति, शाला परिवार वा संस्था की नन्ही नन्ही बच्चियों की उपस्थिति में सम्पन हुआ ।साथ ही आव्हान किया गया की इस प्रयास की तरह ही ग्राम के अभिभावक जन भी ग्राम को हरा भरा बनाने में अपना योगदान देगे ।

कलेक्टर ने किया नवाचारों का मैदानी निरीक्षण, आधुनिक खेती के मॉडल का लिया जायजा

छपारा नवभारत। सिवनी कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने गुरुवार 23 जुलाई को विकासखंड छपारा क्षेत्र का दौरा कर प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PMFME) के अंतर्गत संचालित इकाइयों एवं आधुनिक कृषि गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उद्यमियों और किसानों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए इसके साथ -साथ कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित जनों से भी सवांद कर उनकी समस्याओं को सुना और त्वरित उचित समाधान किए जाने

आश्वासन दिया।

भ्रमण की शुरुआत छपारा के ग्राम देवरी कला से हुई, जहां किसान रविशंकर मानेश्वर द्वारा लगभग तीन एकड़ क्षेत्र में सेम तथा एक एकड़ में बरबटी सब्जी की आधुनिक व्यावसायिक खेती का अवलोकन किया। उन्होंने खेत में ड्रिप सिंचाई, मल्चिंग तकनीक एवं फसल प्रबंधन की जानकारी लेकर इसे अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणादायक मॉडल बताया।

दौरे के दौरान छपारा नगर के कुम्हारी वार्ड में राहुल पाटर द्वारा संचालित PMFME योजना अंतर्गत स्थापित पास्ता निर्माण इकाई का भी निरीक्षण किया गया। कलेक्टर ने उत्पादन क्षमता, पैकेजिंग एवं बाजार विस्तार की संभावनाओं पर चर्चा करते हुए स्थानीय उत्पादों को बेहतर पहचान दिलाने पर जोर दिया।

इसके पश्चात कलेक्टर छपारा विकास खंड में ग्राम भूतबंधानी पहुंचीं, जहां छीताफल उत्पादक किसानों, एफपीओ के सदस्यों एवं सीताफल पल्प इकाई से जुड़े उद्यमियों के साथ बैठक कर उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने छीताफल के बगीचों एवं मेड़ों पर लगाए गए पौधों का भी निरीक्षण किया और किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने तथा मूल्य संवर्धन के माध्यम से आय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी, कृषि एवं उद्यानिकी विभाग का अमला तथा स्थानीय किसान एवं ग्रामीण भी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए तथा कृषि आधारित उद्यमों को हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा।

बदहाली | दर्जनों किसानों की फसलें जलभराव से बर्बादी की कगार पर, आसपास के क्षेत्रों में फैला पानी

तीन साल पहले बनी नहर बारिश में फूटी, फसल बर्बादी की कगार पर

सिवनी नवभारत। जिले की सिवनी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम ढेंकी में करीब तीन वर्ष पूर्व निर्मित नहर लगातार हो रही बारिश के बीच टूट गई, जिससे आसपास के खेतों में पानी भर गया और दर्जनों किसानों की फसलें बर्बादी की कगार पर पहुंच गई हैं। घटना के बाद नहर निर्माण की घटिया गुणवत्ता सामने आ गयी है। किसानों का आरोप है कि निर्माण के समय ही उन्होंने कार्य की गुणवत्ता पर आपत्ति दर्ज कराते हुए जांच की मांग की थी, लेकिन उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। अब नहर टूटने से उनके आरोप सही साबित होते दिखाई दे रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, उक्त नहर का निर्माण मेंटेना कंपनी द्वारा कराया गया था। निर्माण कार्य के दौरान स्थानीय किसानों

ने कई बार गुणवत्ताहीन सामग्री के उपयोग और मानकों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से जांच कराने की मांग की थी। बावजूद इसके निर्माण कार्य पूरा कर दिया गया। किसानों का कहना है कि यदि उस समय शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक सुधार किए जाते तो आज यह स्थिति उत्पन्न नहीं होती।

लगातार बारिश के बीच नहर के टूटने से बड़ी मात्रा में पानी आसपास के कृषि क्षेत्रों में फैल गया। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण खेतों में लंबे समय तक पानी भरा रहा, जिससे खरीफ की फसलें प्रभावित हो गईं। कई खेत पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान की आशंका है। प्रभावित किसानों का कहना है कि उन्होंने खेती में बीज, खाद, कीटनाशक और अन्य कृषि कार्यों पर पर्याप्त निवेश किया है। ऐसे समय में फसलों का जलभराव की चपेट में आना उनके लिए गंभीर आर्थिक संकट का कारण बन सकता है। किसानों ने प्रशासन से तत्काल प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कराकर वास्तविक नुकसान का आकलन करने और शीघ्र मुआवजा उपलब्ध कराने की मांग की है।

ग्रामीणों ने की उच्च स्तरीय जांच की मांग

ग्रामीणों ने नहर निर्माण की उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराने की भी मांग की है। उनका कहना है कि यदि जांच में निर्माण कार्य में लापरवाही, गुणवत्ता से समझौता या अन्य अनियमितताएं सामने आती हैं तो संबंधित निर्माण एजेंसी, ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि यदि शीघ्र जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो लगातार हो रही बारिश के कारण आसपास के अन्य खेत भी जलभराव की चपेट में आ सकते हैं, जिससे नुकसान का दायरा और बढ़ जाएगा। घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में आक्रोश है और वे प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर स्थायी समाधान सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं।

सिवनी आईटीआई में कर्मचारियों ने लगाए भेदभाव के आरोप
सीआर में गड़बड़ी से पदोन्नति प्रभावित होने की शिकायत

सिवनी नवभारत। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) सिवनी के कर्मचारियों ने तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य देवेन्द्र कुमार ठाकुर के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए कौशल विकास संचालनालय, जबलपुर को लिखित शिकायत सौंपकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, कर्मचारियों का आरोप है कि तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य ने अधीनस्थ कर्मचारियों की वार्षिक गोपनीय चरित्रावली (सीआर) निष्पक्ष रूप से तैयार नहीं की। आवेदन में दावा किया गया है कि कई कर्मचारियों के कार्य संतोषजनक होने के बावजूद उनकी सीआर में प्रतिकूल टिप्पणियां दर्ज की गईं, जिससे उनके समयमान वेतनमान और पदोन्नति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा।

कर्मचारियों का कहना है कि सीआर में कथित गड़बड़ी के कारण कई कर्मचारियों का समयमान वेतनमान रुका हुआ है तथा 7 से 8 कर्मचारियों की पदोन्नति भी प्रभावित हुई है। इसके अलावा टीए/डीए, वेतन और अन्य लंबित देयकों के भुगतान में भी विलंब होने का आरोप लगाया गया है। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि हाल ही में हुई पदोन्नति प्रक्रिया में कुल 34 कर्मचारियों में से केवल 4 कर्मचारियों को ही पदोन्नति का लाभ मिला, जबकि एक भी महिला कर्मचारी का चयन नहीं हुआ। इसे लेकर कर्मचारियों ने पदोन्नति प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए मामले की जांच की मांग की है। आवेदन में कहा गया है कि संस्था का परीक्षा परिणाम और प्रशिक्षण कार्य संतोषजनक रहे हैं, लेकिन प्रशासनिक कार्यप्रणाली से कर्मचारियों में असंतोष का माहौल बना हुआ है।

कर्मचारियों ने संचालनालय से मांग की है कि शिकायत की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई की जाए तथा देवेन्द्र कुमार ठाकुर का सिवनी आईटीआई से स्थानांतरण कर उन्हें संस्था में पुन: पदस्थ न किया जाए।